सार-समाचार

आंगनबाड़ी बहन सम्मान समारोह मनाया

कपासन, (निसं)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेशभर में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के समर्पण, सेवा भावना एवं योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से आंगनबाड़ी बहन सम्मान दिवस का आयोजन पूरे राज्य में हर्षोल्लास के साथ किया जा रहा है। इसी संदर्भ में कपासन महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय में ब्लॉक स्तरीय समारोह आयोजित हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि पूर्व जिला प्रमुख सुशीला जीनगर रही।पूर्व जिला प्रमुख सुशीला जीनगर ने आंगनबाड़ी बहनों के अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए उन्हें समाज के सर्वांगीण विकास की रीढ़ बताया।प्रदेश सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के खातों में पाच सो एक रुपये की उपहार राशि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से स्थानांतरित की गई है ।आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यरत सभी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं को भी यह राशि प्राप्त हुई, जिससे उन्हें प्रोत्साहन एवं आत्मबल प्राप्त हुआ है।समारोह को संबोधित करते हुए राशमी मंडल अध्यक्ष बृजलता ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रत्येक जन कल्याणकारी योजना को आम जन तक पहुंचाने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सबसे आगे रहती हैं।चाहे वह स्वास्थ्य कार्यक्रम हो या पोषण योजना। इनकी भूमिका हर क्षेत्र में प्रेरणादायक है। समारोह को संबोधित करते हुए प्रशासनिक अधिकारी उमा शर्मा ने आंगनबाड़ी बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने सभी बहनों को उनके सतत परिश्रम, कर्तव्यपरायणता एवं सेवा भावना के लिए धन्यवाद दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व जिला प्रमुख सुशीला जीनगर एवं राशमी मंडल अध्यक्ष बृजलता ने दीप प्रजनन कर किया। महिला पर्यवेक्षक रजनी शर्मा ने विभाग में संचालित योजनाओं की जानकारी दी एवं महिला पर्यवेक्षक ज्योति सालवी ने आभार व्यक्त किया। अकाउंटेंट रवि कुमार मीणा,कनिष्ठ लीपीक वासुदेव चरण,ब्लॉक कोऑर्डिनेटर नारायण सालवी सहित नगर एवं ब्लाक क्षेत्र की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका मौजूद रही। कार्यक्रम के अंत में मिठाई वितरण किया गया।

अनियंत्रित कार बेरिकेट पर चढ़ी

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के तहसील चौराहे पर एक अनियंत्रित कार यातायात शाखा के बेरिकेट पर चढ गई,लेकिन बडा हादसा होते होते बच गया। घटनाक्रम में चालक कार को वही छोड कर भाग गया ।अचानक हुए इस हादसे से तहसील चौराहे पर एक दम अफरा तफरी मच गई। गनीमत यह रही कि कोई भी राहगिर, वाहनधारी उसकी चपेट में नहीं आया। घटनाक्रम के अनुसार दोपहर 2 बजे के आस-पास एक बार पुराने बस स्टेण्ड की ओर से तहसील चौराहे की ओर आ रही थी, कि अचानक तहसील चौराहे पर जहां यातायात पुलिस कर्मी तैनात रहते है अनियंत्रित होकर बेरिकेट पर चढ गई, लेकिन पलटी नहीं। घटनाक्रम में कार काफी क्षतिग्रस्त हो गई। इधर घटना की जानकारी मिलते ही आने जाने वाले आम जन व वाहनधारी एकत्रित हो गये। तो यातायात शाखा के सहायक उप निरीक्षक भूपेन्द्रसिंह भी मौके पर पहुंच गये। नम्बरो के आधार पर उक्त कार लाडसौर निवासी किसी सुनील डामोर के नाम पंजीकृत है तथा वर्तमान में वह शिक्षक भी है। इस संबंध में नम्बरो के आधार पर संबंधित कार मालिक को सूचित भी किया लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं आया। कार को क्रेन की मदद से पुलिस कन्ट्रोल रूम के पास रखवा दी है।

जर्जर स्कूल भवन से हादसे का खतरा

डूंगरपुर, (निसं)। मेंताली डचकी गांव के लोग जर्जर स्कूल से हादसे का खतरे को लेकर क्षेत्र के ग्रामीण जन बुधवार को कलेक्ट्री पहुंचे। लोगों ने डचकी उप्रावि के जर्जरहाल भवन से हादसे का डर जताया। लोगों ने डीएमएफ टी योजना के तहत स्कूल के नए भवन का बजट दिलाने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेंताली डचकी गांव के लोगों ने आज कलेक्ट्री पहुंचकर आक्रोश जताया। लोगों ने कहा कि डचकी उच्च प्राथमिक स्कूल का भवन पूरी तरह से जर्जर हो गया है। 1972 में बने 4 कमरे पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है। स्कूल में 17० बच्चे पढाई करते हैए लेकिन कमरों की खराब हालत से उसमें बैठकर पढाई करना भी मुश्किल है। हमेशा में स्कूल में हादसों का डर रहता है। गांव के लोगों ने कहा कि उनके क्षेत्र में माइनिंग एरिया है। जबकि आज तक उनके क्षेत्र में डीएमएफ टी के तहत एक भी रुपए का काम नहीं हुआ है। लोगों ने डीएमएफ टी योजना में बजट की स्वीकृति देने की मांग रखी है।

बदमाशों ने महिला का मोबाइल लूटा

उदयपुर, (कासं)। शहर के नाई थाना क्षैत्र के गोरेला गांव में आए नकाबपोश बदमाश लूट की नियत से मकान में घुस और भागते समय महिला का मोबाईल लूट ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 अगस्त रात में शहर के नाई थाना क्षैत्र गोरेला गांव में आए नकाबपोश तीन बदमाश सुशीलाल गुर्जर पत्नपी नारायणलाल गुर्जर निवासी गोरेला गुर्जर बस्ती के मकान में घुसे। जहां जाग होने पर बदमाशों ने महिला से सोने चांदी के जेवरात व नकदी के बारे में पूछा तथा इस दौरान दरवाजा खोल सुशीला ने बाहर निकाल चिल्लाना शुरू कर दिया। जिसके चलते बदमाश पकडे जाने के भय से उसका मोबाईल लूट कर फरार हो गए। वारदात के दौरान दूध का कारोबार करने वाले सुशीला के पति व पुत्र शहर गए थे। वापस लौटे तब वारदात का पता चला।

मकान से जेवर व नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। सविना थाना क्षैत्र में स्थित सूने मकान का चोर ताला तोड़ कर जेवरात व नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 3 अगस्त रात में चोर सविना थाना क्षैत्र नूतन गैस गोदाम के पास सेक्टर 11 निवासी किशन भाटी पुत्र अंबालाल भाटी के सूने मकान का चोर ताला तोड़ सोने चांदी के जेवरात व नकदी चुरा ले गए। किशन 1 अगस्त को जोधपुर गया था एवं 3 अगस्त को उसके माता पिता किशनपोल स्थित पुराने मकान पर गए थे। 4 अगस्त को माता पिता घर लौटे तो दरवाजें का ताला टूटा हुआ एवं कमरों व अलमारियों का सामान बिखरा पड़ा था। चोरी गए सोने चांदी के जेवर, नकदी तथा सामान की सूची बाद में देने की रिपोर्ट दी है।

अवैध शराब से भरी कार जब्त

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान अवैध शराब से भरी कार जब्त कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगन राजपुरोहित के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह चारण के नेतृत्व में गठित दल ने 5 अगस्त को नाकाबंदी के दौरान चावण्ड ओड पुत्र कालु निवासी बोरो का गुड़ा अंबेरी सुखेर हॉल मेगा आवास रकमपुरा प्रतापनगर को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से अवैध 28 कर्टन सहित कार, दो फर्जी नंम्बर प्लेट जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

करियर मार्गदर्शन प्रशिक्षण सम्पन्न

उदयपुर, (कासं)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), उदयपुर के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय करियर मार्गदर्शन आधारित प्रशिक्षण बुधवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न ब्लॉकों से आए 40 शिक्षकों ने भाग लेकर करियर शिक्षा के विविध पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण का संचालन कार्यानुभव प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष डॉ. जगदीश कुमावत द्वारा किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों को आजीविका के वैकल्पिक रास्ते, सामाजिक एवं महिला उद्यमिता, एग्री-बेस्ड स्टार्टअप्स, स्वरोजगार के प्रेरक उदाहरणों तथा नई शिक्षा नीति में समाहित करियर शिक्षा के आयामों से अवगत कराया गया।प्रशिक्षण में डाइट की प्राचार्य शीला काहाल्या ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए शिक्षकों की भूमिका को करियर निर्माण की दिशा में निर्णायक बताया। वहीं जिला साक्षरता अधिकारी महिपाल सिंह राठौड़ ने भारतीय परंपराओं, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि, शिल्प और हस्तकला जैसे क्षेत्रों को भी करियर विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया। करियर विशेषज्ञ रजत मेघनानी ने विद्यर्थियों की रुचियों, परिवेश, मनोवृति और समस्याओं को समझकर करियर चयन में शिक्षक की भूमिका पर संवाद किया।

बिजली कटौती आज

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के आरसीए जीएसएस से संबंधित क्षेत्रों में गुरूवार को सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक विद्युत रखरखाव के चलते तीन घंटे बिजली कटौती की जाएगी। यह बिजली कटौती शहर के न्यू भूपालपुरा, अशोक नगर, भूपालपुरा (सम्पूर्ण क्षेत्र), धाबाईजी की बाड़ी, आनंद प्लाजा, लेकसिटी, आरसीए, सिख कॉलोनी, सुभाष नगर, दुर्गा नर्सरी रोड़, बीएन कॉलेज रोड़, एमबी कॉलेज, कुम्हारों का भट्टा, सेवाश्रम, पाठों की मगरी, कोर्ट चौराहा, भट्टजी की बाड़ी, देहलीगेट, सूरजपोल, शास्त्री सर्कल, अलीपुरा, कृष्णपुरा, मठ व संबंधित क्षेत्रों में यह कटौती की जाएगी।

खुशहाली, समृद्धि व वर्षा की कामना को लेकर हुए अनुष्ठान

- देवथडी में तीन दशक पुरानी देवपूजन परम्परा का किया निर्वाह
- राजसमंद में रामायण पाठ, हवन अनुष्ठान के साथ निकाली शोभायात्रा

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय के समीप अरावली की सुरम्य वादियों के बीच बसे देवथडी गांव में सर्वत्र खुशहालीए समृद्धि व भरपूर वर्षा की मंगल कामना को लेकर तीन दशक से चली आ रही धार्मिक परम्परा का निर्वहन करते हुए अखंड रामायण पाठ एवं देव पूजन व हवन अनुष्ठान किया गया वहीं धूमधाम से शोभायात्रा निकाली गई।

समस्त ग्रामवासियों की ओर से हुए तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन स्थानीय कलाकारों ने भजन कीर्तन के साथ रात्रि जागरण किया। दूसरे दिन गांव स्थित भगवान लक्ष्मीनारायण एवं प्रांगण में विराजित बालाजी की पूजा.अर्चना की गई। साथ ही रामचरितमानस का पूजन कर अखंड रामायण पाठ शुरू किया गया जिसमें बडी संख्या में ग्रामवासियों ने पूर्ण श्रद्धा से सहभागिता करते हुए पाठ किया। चौबीसस घंटे अनवरत पाठ की गूंज के चलते गांव का वातावरण धर्ममय बना रहा। कार्यक्रम के अंतिम दिन बुधवार को रामायण पाठ पूर्ण होने पर सभी ने रामायण की आरती उतारी एवं बाद में वहां स्थापित देवताओं व राम दरबार की पूजा अर्चना की। एडवोकेट गोपालकृष्ण पालीवाल ने बताया कि इसके बाद अभिजीत वेला में यज्ञशाला में अग्नि प्रवेश के साथ हवन अनुष्ठान शुरू हुआ जिसमें ग्रामवासियों ने जोडे सहित भागीदारी कर आहुतियां दी। इसके तहत सविता संस्कृत संस्थान के आचार्य अर्जुन कृष्ण पालीवाल के सान्निध्य में विप्रजनों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिपूर्वक अनुष्ठान सम्पन्न कराया। इस दौरान प्रेमपुरी, प्रेम कुमावत, लक्ष्मीनारायण कुमावत, लक्ष्मीलाल कुमावत, नारायण कुमावत, भंवरलाल कुमावत, प्रेमशंकर कुमावत, जमनालाल कुमावत, भैरूलाल कुमावत, विजय शंकर पालीवाल, मांगीलाल, केशुलाल, किशनलाल, रोडीलाल, सुनील पालीवाल, राकेश पालीवाल, मांगीलाल दवे, गणेश कुमार सहित वरिष्ठजन एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित थे। अनुष्ठान उपरांत आखरी चरण में धूमधाम से शोभायात्रा निकाली गई।

गाजे बाजे के साथ निकली शोभायात्रा में पूरे गांव से बच्चों से लेकर बडों ने पूरे उत्साह से भागीदारी की। इस दौरान ग्रामीणों ने गगनभेदी जैकारों व भक्ति भजनों पर खूब नृत्य कर धम्रलाभ लिया। गांव में भ्रमण कर शोभायात्रा पुनः लक्ष्मीनारायण मंदिर पहुंची जहां लक्ष्मीनारायण भगवान व बालाजी मंदिर पर ध्वजा चढत्राई गई। बाद में महाआरती हुई एवं प्रभु को भोग धराया गया तथा महाप्रसाद वितरण किया गया जिसमें सभी ग्रामवासी शामिल हुए। स्थानीय निवासी पं अर्जुन कृष्ण पालीवाल ने बताया कि देवथडी ग्राम में देव पूजन व अनुष्ठान की उक्त परम्परा वर्ष 1984 से चल रही है। बाल मित्र मण्डल ने छोटे स्तर पर इसकी शुरूआत की थी लेकिन धीरे.धीरे बडे भी जुडते गए एवं वर्ष 1997 से यह आयोजन वृहद स्तर पर होने लगा जो वर्तमान में समस्त ग्रामवासियों की सहभागिता से तीन दिवसीय कार्यऋम के साथ लघु मेले के रूप में हो रहा है। उन्होने बताया कि पूर्व में गांव में संकट की स्थितिए अकाल या वर्षा की कमी होने पर त्रस्त ग्रामवासी इन्द्र पूजा व ामाण पाठ करते थे। गांव में समृद्धि व खुशहाली की कामना को लेकर शुरू हुई यह परम्परा कालान्तर में भव्य रूप लेती गई एवं इस परम्परा का निर्वाह प्रतिवर्ष इसी तरह होता आ रहा है।

अष्टमी तप का समापन

डूंगरपुर, (निसं)। श्री पीपा दर्जी क्षत्रिय समाज डूंगरपुर महिला मण्डल के तत्वावधान में वर्ष पर्यन्त चले अष्टमी व्रत के तप का उद्यापन निमित आयोजित दो दिवसीय महोत्सव बुधवार को तपस्वी महिलाओं के सानिध्य में भगवान की निकाली गई शोभायात्रा के साथ सम्पन्न हुआ। जिसमे महादेव के जयकारों से पूरा परिक्षेत्र गूंजेयमान हो गया।

दो दिवसीय अष्टमी उद्यापन तप के तहत मंगलवार को व्रतधारी 156 महिलाओं के तत्वावधान में 51 कुण्डीय महायज्ञ की पूर्णाहुति हुई थी। इसके पश्चात बुधवार को इन सभी व्रतधारी महिलाओ जो कि एक परिधान में थी,तो दूसरी ओर पुरूष वर्ग भी एक परिधान में उपस्थित था। शोभायात्रा शहर के मंगलेश्वर महादेव मंदिर परिसर से गाजे बाजे के साथ प्रातः अभिजीत मुहुर्त में रवाना हुई। शोभायात्रा में डूगरपुर समाज के अलावा, 14 चौखलों से आये हुए समाज के धर्म प्रेमी भी उपस्थित थ। शोभायात्रा पुराना अस्पताल, कंसारा चौक, सोनिया चौक, माणक चौक होते हुए दर्जीवाडा पहुंची।

दुर्लभ मतिभ्रम बीमारी का सफल इलाज

उदयपुर, (कासं)। शहर के पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीम्स) उमरड़ा में भयानक और अजीब दृश्य देखने लगी एक महिला का उपचार कर उसको स्वस्थ किया। इसके लिए रिपेटिटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) तकनीक अपनाई गई।

एक 66वर्षीय महिला मोतियाबिंद की सफल सर्जरी के छह महीने बाद भयानक और अजीब दृश्य देखने लगी थी। उसको जैसे सांप,शेर और विशालकाय इंसान उनके चारों ओर घूम रहे हो ऐसा दिखता और अहसास होने लगा। महिला की पीम्स में उन्नत ब्रेन स्टिमुलेशन तकनीक की मदद से पूरी तरह ठीक कर दिया गया है।

अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार यह मामला एक दुर्लभ स्थिति चार्ल्स बोनट सिंड्रोम की ओर ध्यान आकर्षित कर रहा है,जिसमें नेत्र दृष्टि प्रभावित होने पर मस्तिष्क में विचित्र दृश्य उत्पन्न होते हैं।इसमें महिला मरीज न सिर्फ ये डरावने दृश्य स्पष्ट रूप से देख रही थीं,बल्कि साथ में सामान्य चीजें भी पहचान पा रही थीं। उन्हें इस बात की समझ थी कि जो वे देख रही हैं,वह वास्तविक नहीं है। फिर भी,ये दृश्य उन्हें डरा देते थे और उनकी नींद भी खराब हो गई थी।

इस पर परिवार के सदस्यों ने न्यूरोलॉजिस्ट से संपर्क किया। उनका एमआरआई स्कैन,मेमोरी,और न्यूरोलॉजिकल परीक्षण पूरी तरह सामान्य आया। उन्हें पहले एंटीसाइकोटिक दवाएं दी गईं,लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। इसके बाद उन्हें पीम्स के मनोचिकित्सा विभाग में प्रोफेसर डॉ. प्रवीन खैरकर के पास रेफर किया गया। नेत्र रोग विशेषज्ञों से समन्वय के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया कि उन्हें चार्ल्स बोनट सिंड्रोम है जो एक दुर्लभ स्थिति है,जिसमें दृष्टि हानि के कारण मस्तिष्क खुद ही छवियों का निर्माण करने लगता है।डा. खैरकर कहते है कि इस बीमारी के लिए कोई प्रभावी दवा उपलब्ध नहीं है,इसिलए उन्होंने अपनी टीम के साथ एक उन्नत तकनीक रिपेटिटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) अपनाई। यह एक गैर-आक्रामक ब्रेन स्टिमुलेशन तकनीक है,जो मस्तिष्क की दृश्य प्रक्रिया से जुड़ी हिस्सों यानि ओसीसीपिटल लोब पर लक्षित की गई। इसमें सिर्फ10 सेशन्स में ही महिला की सभी मतिभ्रम संबंधी समस्याएं पूरी तरह ठीक हो गईं। अब उनकी नींद सामान्य हो गई और डर भी पूरी तरह खत्म हो गया। डॉ. खैरकर ने कहा,यह उदाहरण दिखाता है कि जब पारंपरिक इलाज असफल हो जाए,तब न्यूरोमॉड्यूलेशन तकनीक नई उम्मीद बन सकती है। परेशान हुए परिवार ने अस्पताल के डायरेक्टर आशीष अग्रवाल,शीतल अग्रवाल,डॉ. प्रवीन खैरकर से मिलकर उनको धन्यवाद दिया।

हिरोशिमा दिवस पर रैली निकाली

उदयपुर, (निसं)। युद्धरत देशों की सैना में मजदूर किसानों के बेटों को ही मरना पड़ता है तथा ऐसे देशों के बीच बढ़ती हथियारों की होड़ से सैना के लिए बजट भार बढ़ता है तथा जनकल्याणकारी योजनाओं पर खर्च में कटौती की जाती है जिसका सीधा असर आम मेहनतकश जनता पर पड़ता है। इससे स्पष्ट है कि युद्ध का चरित्र मूलतः मानवता विरोधी व पर्यावरण विरोधी होता है।'

यह विचार नागरिक तथा जन संगठनों के साझा मंच द्वारा हिरोशिमा दिवस पर आयोजित रैली के बाद जिला कलेक्ट्री के बाहर हुई आमसभा में उभर कर आए। सभा में साझा मंच के संयोजक मन्नाराम डांगी ने फिलिस्तीन की जनता के नरसंहार को तुरंत रोकने, उनके लिए राहत पहुंचाने तथा सभी युद्धों का शांतिपूर्ण समाधान करने की मांग करते हुए अमेरिकी महशक्ति को समस्त युद्ध के लिए मुख्य जिम्मेदार बताया।

उन्होंने कहा कि रैली का उद्देश्य विश्व में युद्ध तथा युद्धोन्माद का विरोध करने वाली मानवतावादी व प्रतिरोधी शक्तियों से एकजुटता स्थापित करना तथा निश्चित समय में परमाणु हथियारों को समाप्त करने और पांच परमाणु संपन्न राष्ट्रों का वीटो पावर समाप्त करने की मांग करना है। सभा में ऐपवा की फरहत बानो ने गाजा के बच्चों व महिलाओं के नरसंहार को मानवता विरोधी कृत्य बताया।

सभा में विश्व मानव कल्याण संघ के राष्ट्रीय संयोजक रामदयाल मीणा ने हिरोशिमा व नागासाकी के पीडि़तों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा परमाणु हथियारों के खतरों से आगाह किया व निशस्त्रीकरण की आवश्यकता बताई। सभा में मुश्ताक चंचल ने युद्ध विरोधी कविता सुनाई।

सभा का संचालन डी.एस. पालीवाल ने किया तथा धन्यवाद की रस्म गुलाब नूर पठान ने अदा की। हिरोशिमा परमाणु विभीषिका की याद में नगर के नागरिकों,जन संगठनों, बुद्धिजीवियों ने विश्व शांति, पर्यावरण सुरक्षा तथा न्याय पूर्ण व्यवस्था के लिए शहीद स्मारक टाउन हॉल से रैली आयोजित हुई। रैली टाउनहॉल से रवाना होकर सूरजपोल, बापू बाजार, दिल्ली गेट होते हुए कलेक्ट्री के बाहर आम सभा में परिवर्तित हुई।

व्याख्याता एपीओ

उदयपुर, (कासं)। फतहनगर के महात्मा गाँधी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत व्याख्याता जगदीश प्रसाद सिंघल द्वारा कक्षा 10 की एक छात्रा को थप्पड़ मारने एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की घटना प्रकाश में आने के बाद शिक्षा विभाग ने संबंधित कार्मिक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे एपीओ कर दिया है।घटना की जानकारी मिलते ही विद्यालय के विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं ग्रामीणजन में रोष व्याप्त हो गया था, मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए शिक्षा विभाग द्वारा व्याख्याता सिंघल को तत्काल प्रभाव से विद्यालय से कार्यमुक्त करते हुए उनका मुख्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, मावली किया गया है।

बैठक आयोजित

उदयपुर, (कासं)। राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर्स समिट 2024 के तहत उदयपुर जिले के लिए हुए निवेश समझौतों की क्रियान्विति की समीक्षा बैठक बुधवार को जिला कलक्टरकी अध्यक्षता में कलक्ट्रेट मिनी सभागार में हुई। बैठक में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक शैलेंद्र शर्मा ने बताया कि उदयपुर जिले के लिए कुल 718 एमओयू हुए थे, इनमें से 117 में कार्य प्रारंभ हो चुका है। 60 प्रस्तावों में सभी प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है तथा जल्द से ही उनका भी कार्य प्रारंभ हो जाएगा। जिला कलक्टर मेहता ने बकाया प्रकरणों में विभाग वार अलग-अलग श्रेणी में लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली।

'मेवाड़ शौर्य व त्याग की भूमि के साथ संस्कृत के अभ्युद की धरती भी है'

उदयपुर, (कासं)। मेवाड़ की धरती शौर्य एवं त्याग की भूमि होने के साथ-साथ संस्कृत भाषा के अभ्युदय की धरती भी है। महाराणा राजसिंह के शासनकाल में संस्कृत में रचित ग्रंथ राज-प्रशस्ति ने संस्कृत भाषा के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

ऐसी मेवाड़ धरा पर संस्कृत दिवस अंतर्गत राज्य स्तरीय संस्कृत विद्वत्जनसम्मान समारोह आयोजित होना मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के दूरदृष्टि का परिचायक होने के साथ ही गर्व का विषय भी है। यह विचार प्रदेश की संस्कृत शिक्षा आयुक्त प्रियंका जोधावत ने बुधवार को होटल कजरी में आयोजित पत्रकार वार्ता में पत्रकारों से चर्चा के दौरान व्यक्त किए। जोधावत ने कहा कि प्रदेश सरकार ने संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। वेद विद्यालयों की स्थापना हो या वैदिक गुरूकुल की अवधारणा को धरातल पर लाना, सरकार ने नवाचारों के माध्यम से देवभाषा संस्कृत की प्रतिष्ठा में अभिवृद्धि की है। झीलों की नगरी उदयपुर में राज्य स्तरीय आयोजन कर एक बार फिर सरकार ने संस्कृत के प्रति अपनी निष्ठा का प्रदर्शित किया है। इस आयोजन में संस्कृत शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर के व्यापक दृष्टिकोण की महती भूमिका रही है। उन्होने ही जयपुर से बाहर इस आयोजन का विचार सामने रखा और पिछले वर्ष कोटा में सफल आयोजन के पश्चात इस वर्ष आयोजन का दायित्व मेवाड़ को सौंपा। जोधावत ने कहा कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कार्यों हेतु समितियों का गठन कर कार्यभार सौंप दिये गए थे।

संस्कृत को जनभाषा बनाने की दिशा में प्रयास की जरूरत : प्रो ठाकुर

बांसवाड़ा, (निसं)। संस्कृत विश्व की महान तथा रोचक भाषाओं में से सबसे प्राचीन और उत्तम भाषा है इसे भारत में देवताओं की भाषा के रूप में जाना जाता है इसके ज्ञान का भंडार, दुनिया का नायाब और अमूल्य खजाना है। इसे भारतीय भाषाओं की जननी के रूप में भी जाना जाता है। उक्त उद्गार गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो केशव सिंह ठाकुर ने विश्व विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय संस्कृत दिवस समारोह में व्यक्त किये।

उन्होंने बताया कि यह भारतीय परंपरा और विचार का सच्चा प्रतीक है जिसने सत्य की खोज में पूर्ण स्वतंत्रता प्रदर्शित की है और विश्व व्यापी सत्य के प्रति उदारता दिखाई है। यह शास्त्रीय भाषा हमारी पुरानी सांस्कृतिक विरासत के एक बड़े हिस्से का भंडार भी है इसमें विज्ञान या ज्ञान सभी प्रकार की विधाएं हैं। इसे जनभाषा बनाने से संस्कार और संस्कृति दोनों का संरक्षण संभव होगा। मुख्य वक्ता विश्व संस्कृत भारती के महामंत्री आचार्य रामचंद्र शास्त्री ने बताया कि भाषाई और भाषाशास्त्र के विशेषज्ञों द्वारा एक भाषा के रूप में संस्कृत को संचार का एक आदर्श माध्यम माना जाता है। व्यावहारिक धरातल पर व्याकरण, ध्वनि-शास्र, शब्दावली और देवनागरी लिपि के संदर्भ में, संस्कृत संचार का कुशल माध्यम बन गया है। आधुनिक युग में संस्कृत को विश्व की वैज्ञानिक भाषाओं में से एक माना जाता है जिसकी देवनागरी लिपि कंप्यूटर के विभिन्न कार्यक्रमों में आसानी से उपलब्ध है। हाल के आनुभविक अध्ययनों से, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और संचालन में उपयोग के लिए विभिन्न भाषाओं और लिपियों की सापेक्ष उपयुक्तता के बारे में संकेत मिलता है कि देवनागरी लिपि में संस्कृत न केवल सुविधाजनक थी बल्कि उपयोग के लिए सर्वोत्तम माध्यम के रूप में हर जरूरत को संतुष्ट करती है।

संस्कृत की महत्ता बताते हुए प्रो राजेश जोशी ने बताया कि अब नयी शिक्षा नीति के अलोक में समाज में लोगों की सभी प्रकार की प्रगति के लिए वैश्विक क्रांति के एक नए युग की शुरुआत करने में मात्र भाषा का विशेष योगदान है। साथ ही आधुनिक युग में कंप्यूटर शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभर रहे हैं। संस्कृत अध्ययन के उद्देश्य से, संयुक्त शिक्षा के इन नए उपकरणों द्वारा होने वाले लाभों को भारत और विदेशों में भी अपनाया जा रहा है। पारंपरिक संस्कृत अध्ययनों को संरक्षित करने, लोकप्रिय बनाने और प्रचारित करने के लिए, कंप्यूटर प्रौद्योगिकी का सही उपकरण के रूप में उपयोग किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रो शफकत राना, डॉ राकेश डामोर, डॉ अर्पित पाठक सहित संस्कृत भारती के पदाधिकारी विभाग संयोजक, भरत शर्मा, खूश व्यास, कार्यकर्ता पीयूश रावल, सिद्धेश शर्मा, सुमित द्विवेदी, बडवी स्कूल के प्रधनाचार्य मुकेश उपाध्याय और विद्यार्थी सम्मिलित रहे।

सार-समाचार

पोस्टर का विमोचन

बांसवाड़ा, (निसं)। डूंगरपुर मुख्यालय स्थित रामबोला मठ के महंत एवं अभा श्री पंच दिगंबर अनी अखाड़ा के सचिव शिवशंकर दास महाराज के सानिध्य में आगामी 21 अगस्त को पुनाली ग्राम पंचायत, दोवड़ा ब्लॉक, आसपुर में शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर डूंगरपुर में हुई बैठक में बांसवाड़ा जिले सहित वागड़-मेवाड़ क्षेत्र के पहुंच श्रद्धालुओं ने भाग लिया। वक्ताओं ने बताया कि श्रावण मास में होने वाले इस महोत्सव में सनातन धर्म के ध्वजवाहक और भगवान शिव के गणस्वरूप देश के विभिन्न अखाड़ों, मठों, पवित्र तीर्थ स्थलों के बड़े और राष्ट्रीय स्तर के संतो का सानिध्य मिलेगा। महोत्सव में महामंडलेश्वर महर्षि भृगु पीठाधीश्वर गोस्वामी सुशील महाराज, राष्ट्रीय संयोजक, भारतीय सर्वधर्म संसद, यज्ञ सम्राट एवं यज्ञ संरक्षक की उपाधि से विभूषित संत बालक योगेश्वर दास महाराज बद्रीनाथ धाम वाले महाराज, कृष्णानंद महाराज, राष्ट्रीय मंत्री, अखिल भारतीय संत समिति, महामंडलेश्वर आचार्य नर्मदा शंकर पुरी महाराज, पंचायती अखाड़ा, श्री निरंजनी हरिद्वार, महामंडलेश्वर स्वामी हितेश्वरानंद सरस्वती महाराज, श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा, दिगंबर खुशाल भारती महाराज, संस्थापक, राष्ट्रीय महाकाल सेना, श्रृंगीऋषि आश्रम, चीरवा, उदयपुर, आचार्य स्वामी कृपाचार्य महाराज, अधिष्ठाता, श्री गुरु जम्भेश्वर बणीधाम, मोलीसर बड़ा, श्री कृष्ण कृपा गुरुकुलम् विद्यालय, बणीधाम (चूरु), स्वामी हरिप्रकाश दास महाराज कष्टभंजनदेव, सालंगपुर, गुजरात, राष्ट्रीय संत स्वामी चंद्र देव जी महाराज संस्थापकध्अध्यक्ष वैश्विक संत समाज कल्याण फाउंडेशन, पीर बालकनाथ महाराज, पीठाधीश्वर रघुनाथपीर आश्रम ढालोप जिला पाली, गोस्वामी महंत अच्युतानंद महाराज, पीठाधीश, बेणेशवर धाम, गुरुदेव रूद्रशेखर महाराज, सुजाजी का गडा, वसुधैव कटुम्बकम आश्रम मेतवाला, कमलेश शास्त्री, रामकथा वाचक, मानस भारती अर्पणा दीदी नागदा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्रीराम परिवार वाराणसी आदि का सानिध्य मिलेगा। शिव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के पोस्टर विमोचन अवसर पर पूर्व मंत्री सुशील कटारा, नगर परिषद डूंगरपुर सभापति अमृत कलासुआ, जिला परिषद सीईओ हनुमान सिंह राठौड़, महोत्सव के मुख्य यजमान गौरव यादव, स्वप्निल कुलश्रेष्ठ, उपसभापति सुदर्शन जैन, नगर अध्यक्ष नयन सुथार, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष प्रियकांत पंड्या, नारायण पंड्या, आरआई भैयालाल आंजना, मेघवाल समाज अध्यक्ष दलजी यादव आदि सम्मिलित रहे। संचालन देवीलाल जोशी ने किया।

सेमिनार का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक यूनिवर्सिटी के पेसिफिक पॉलिटेक्निक कॉलेज में माइनिंग संकाय के विद्यार्थियों के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया। निदेशक डॉ मुकेश श्रीमाली ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथी आसीफ मोहम्मद अंसारी एवं डॉ. हितांशु कौशल का उपरना एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। क्रार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया।आसीफ मोहम्मद अंसारी ने खनन डिप्लोमा इंजीनियरिंग के छात्रो को कहा कि आप एक ऐसे क्षेत्र में कदम रख रहे हैं जो चुनौतीपूर्ण, गतिशील और वैश्विक प्रगति का अभिन्न हिस्सा